Result Mitra Daily Magazine

अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस एवं स्वतंत्रता संघर्ष

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में 4 जुलाई को संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपना 248 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।
- 4 जुलाई 1776 को संयुक्त राज्य अमेरिका को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ स्वतंत्रता मिली थी।
- ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ स्वतंत्रता मिलने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका एक संप्रभु एवं स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया।
- 4 जुलाई को संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाता है तथा इस दिन पूरे अमेरिका में संघीय अवकाश होता है।

अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा -

- ब्रिटिश शासन से संयुक्त राज्य अमेरिका को स्वतंत्रता 4 जुलाई 1776 को मिली हालांकि अमेरिकी स्वतंत्रता की प्रक्रिया दो दिन पहले यानी 2 जुलाई 1776 को ही शुरू हो गई थी।
- 2 जुलाई 1776 को कॉन्टिनेंटल कांग्रेस ने स्वतंत्रता की घोषणा के मतदान किया जिसमें से कुल 13 उपनिवेशों में से 12 उपनिवेशों ने आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन के साथ अपने राजनीतिक संबंध तोड़ने का फैसला लिया।
- इसी दिन अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले थॉमस जेफरसन और बेंजामिन फ्रैंकलिन ने उपनिवेशों को स्वतंत्र और स्वतंत्र राज्य घोषित किया।

Result Mitra

- स्वतंत्रता के घोषणा के बाद इन उपनिवेशों ने अपने स्वशासन के अधिकार पर जोर दिया जिससे 4 जुलाई 1776 को ब्रिटिश सरकार से मंजूरी दे दी गई।

अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस समारोह -

- 4 जुलाई को अमेरिकी स्वतंत्रता, देशभक्ति, लोकतंत्र के विचारों की खोज के रूप में मनाया जाता है।
- इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका, अमेरिकी स्वतंत्रता, समानता के विचारों की रक्षा में शामिल सभी स्वतंत्रता सेनानी की बहादुरी और बलिदान को याद किया जाता है।
- अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस का पहला वार्षिक उत्सव 4 जुलाई 1777 को फिलोडेल्फिया में आयोजित किया गया।
- हालांकि 4 जुलाई 1801 से अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस समारोह की मेजबानी व्हाइट हाउस (White House) में किया जाता रहा है।
- इस दिन पूरे अमेरिका में स्वतंत्रता की निरंतर भावना को मनाने के लिए देश भर में देशभक्तिपूर्ण प्रदर्शन, परेड, आतिशबाजी और सामुदायिक सभाएँ आयोजित की जाती हैं।

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम (इतिहास) -

- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम तेरह उत्तर अमेरिकी उपनिवेशों का ग्रेट ब्रिटेन के औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आंदोलन के रूप में संदर्भित किया जाता है जिसकी सफलता के बाद ये सारे 13 उत्तरी अमेरिकी उपनिवेश स्वतंत्र होकर एक शक्तिशाली संयुक्त राज्य अमेरिका के रूप में उभरे।

पृष्ठभूमि -

- वर्ष 1588 में इंग्लैंड और स्पेन के बीच भीषण नौसैनिक (Navy) युद्ध के बाद स्पेन की पराजय के साथ इंग्लैंड ने अमेरिका में अपनी औपनिवेशिक बस्तियां बसानी शुरू किया।
- वर्ष 1775 तक ब्रिटेन द्वारा 13 ब्रिटिश उपनिवेश अमेरिका में बसाए जा चुके थे जिनमें 90% अंग्रेज तथा 10% में डच, जर्मन, फ्रांसीसी एवं पुर्तगाली थे।
- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम मुख्य रूप से ग्रेट ब्रिटेन और उसके उपनिवेशों के बीच आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक टकराव का परिणाम था।

Result Mitra

- ब्रिटिश अप्रवासी अमेरिका में बसने के साथ ही ब्रिटिश कानून एवं संविधान के साथ काम करने लगे थे एवं अमेरिकी समाज में अपनी पहुंच बढ़ाने लगे।
- हालांकि अमेरिकी समाज में बढ़ते ब्रिटिश अप्रवासी के प्रभाव को कम करने के लिए ब्रिटिश सरकार ने अपने उपनिवेश में गवर्नर की नियुक्ति शुरू कर दी जिसकी एक कार्यकारिणी समिति थी।
- गवर्नर के कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की नियुक्ति ब्रिटिश ताज द्वारा किया जाता था जो ब्रिटिश उपनिवेशों को कर लगाने, वेतन तय करने और कानून निर्माण का काम करते थे।
- अप्रवासी ब्रिटिशों को ब्रिटिश सरकार की इस व्यवस्था के प्रति जबरदस्त असंतोष उपजा।

सप्तवर्षीय युद्ध -

- उत्तरी अमेरिका में क्यूबिक से लेकर मिसीसिपी घाटी फ्रांसीसी उपनिवेश का हिस्सा था जहां फ्रांस और ब्रिटेन के बीच हितों का टकराव था।
- हितों के टकराव के कारण फ्रांस और ब्रिटेन के बीच 1756-63 तक सप्तवर्षीय युद्ध चला जिसमें अंग्रेजों की विजय हुई और कनाडा स्थित फ्रांसीसी उपनिवेश पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया।
- इस युद्ध के पश्चात लगभग पूरे उत्तरी अमेरिका पर अंग्रेजों का शासन स्थापित हो गया।
- इस युद्ध को लड़ने में इंग्लैंड को काफी आर्थिक क्षति हुई जिसे पूरा करने के लिए अप्रवासी उपनिवेशों पर जहाजरानी कानून, व्यापारिक कानून, शुगर एक्ट आदि को लड़ाई से लागू कर अधिक कर वसूलना शुरू किया। उपनिवेशवासियों में ब्रिटिश सरकार के प्रति असंतोष बढ़ने लगा।
- वर्ष 1763 में इंग्लैंड की सरकार ने एक शाही घोषणा द्वारा फ्लोरिडा, मिसीसिपी आदि पश्चिम के क्षेत्र को रेड इंडियन के लिए सुरक्षित घोषित कर दिया जिसके कारण उपनिवेशवासियों का पश्चिम की ओर प्रसार बाधित हुआ और वे अंग्रेजी सरकार के खिलाफ उग्र हो गए।

Result Mitra

संवैधानिक टकराव -

- ब्रिटिश सरकार द्वारा अमेरिकी उपनिवेश में कई प्रकार के कर कानून को लागू कर स्थानीय करों को बढ़ा दिया।
- ब्रिटिश सरकार का मानना था कि ब्रिटिश संसद अमेरिकी उपनिवेश को नियंत्रित करने वाली सर्वोच्च शक्ति है जो अमेरिकी उपनिवेश के संबंध में कोई भी कानून पारित कर सकती है जबकि अमेरिकी उपनिवेश वीडियो का मानना था कि यहां पर कानून पारित करने का अधिकार केवल उपनिवेशों की एसेम्बलियों के पास है।
- ब्रिटिश सरकार और अमेरिकी उपनिवेशवासियों के बीच यह टकराव अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के लिए जिम्मेदार महत्वपूर्ण कारकों में से एक है।

तात्कालिक कारण (बोस्टन टी घटना) -

- वर्ष 1773 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड नॉर्थ ने ईस्ट इंडिया कंपनी को वित्तीय संकट से उबारने के लिए नई 'चाय नीति कानून' बनाया।
- इस कानून के अंतर्गत ईस्ट इंडिया कंपनी सीधे अमेरिका में बिना कोई कर (Tax) दिए चाय बेच सकती थी।
- पहले ईस्ट इंडिया कंपनीयों के जहाज को अमेरिकी बंदरगाह में उतरने के लिए 'चुंगी कर' देना पड़ता था।
- उपनिवेशवासी ब्रिटिश सरकार द्वारा बनाए गए इस कानून को उनके सहमति के बिना बनाए जाने के कारण 'चाय नीति' का विरोध करना शुरू कर दिया कर दिया गया।
- अंततः पूरे अमेरिका में ब्रिटिश सरकार के 'चाय नीति' के विरोध में आंदोलन शुरू हो गया।
- फलतः 16 दिसंबर 1773 को सैमुअल एडम्स के नेतृत्व में हजारों लोगों ने ईस्ट इंडिया कंपनी की चाय से भरी जहाज को अपने कब्जे में लेकर चाय की पेटियों को समुद्र में फेंक दिया।
- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इस घटना को 'बोस्टन टी पार्टी' के नाम से जाना जाता है।
- इस घटना के बाद ब्रिटिश सरकार ने बोस्टन बंदरगाह को बंद करके गवर्नर की शक्ति को बढ़ाकर विरोधियों के खिलाफ हत्या संबंधी मुकदमे दायर कर इसे इंग्लैंड तथा अन्य उपनिवेशों में हस्तांतरित कर दिया।

संघर्ष की शुरुआत -

Result Mitra

- ब्रिटिश सरकार द्वारा 'बोस्टन टी पार्टी' घटना के बाद बनाए गए दमनात्मक कानूनों का अमेरिकी उपनिवेशों में जमकर विरोध हुआ। फलतः 19 अप्रैल 1775 को लोक्सिंगटन में अंग्रेजों और ब्रिटिश उपनिवेशों के बीच युद्ध प्रारंभ हो गया।
- इंग्लैंड के तत्कालीन सम्राट जार्ज तृतीय ने अमेरिकी उपनिवेशवासियों को विद्रोही घोषित करके विद्रोह को दबाने के लिए सैन्य बल का उपयोग शुरू कर दिया।
- अमेरिकी नेताओं को इस संघर्ष में फ्रांस और स्पेन का साथ मिला तथा अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने के लिए 13 अमेरिकी उपनिवेश को मिलाकर कॉन्टिनेंटल कांग्रेस का गठन किया गया।
- 2 जुलाई 1776 को कॉन्टिनेंटल कांग्रेस की एक सम्मेलन फिलाडेल्फिया में बुलाकर मतदान कराकर आधिकारिक तौर पर इन अमेरिकी उपनिवेशों ने ब्रिटिश सरकार के साथ राजनीतिक संबंध तोड़ने का फैसला किया एवं खुद को स्वतंत्र राज्य घोषित कर दिया।
- अंततः इस स्वतंत्रता संघर्ष का वर्ष 1783 में पेरिस की शांति समझौते के बाद समाप्ति हुई।

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम का प्रभाव -

- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम की सफलता के बाद पूरे विश्व में ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के खिलाफ अफ्रीका, एशिया एवं लैटिन अमेरिका के देशों में भावी स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए एक सीढ़ी का काम किया।

Result Mitra